an>

Title: Need to take steps to expedite construction of bridge in Kolhapur.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): उपाध्यक्ष जी, आपने इस गंभीर और महत्वपूर्ण विÂषय पर मुझे बोलने का मौका दिया।

उपाध्यक्ष जी, महाराÂष्ट्र में भारी बारिश की वजह से कई जगह बाढ़ आ चुकी है। दो दिन पहले महाराÂष्ट्र के कोंकण में एक पुराना ब्रिज, जिसके 100 साल पूरे हो चुके थे, वह बाढ़ की वजह से बह गया, जिसमें एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। दो टूरिस्ट बसें और दस से ज्यादा कारें उसमें बह गयी हैं। कम से कम 60 लोगों की मृत्यु की आशंका जताई जा रही है। मेरे क्षेत्र कोल्हापुर में, मेरे शहर में भी एक ऐसा ही ब्रिज बना हुआ है। वह 138 साल पुराना ब्रिज है। बीस साल पहले ब्रिटिश सरकार ने एक पत्र हमारी सरकार को लिखा था कि इसकी लाइफ अब खत्म हो चुकी है। केन्द्र सरकार ने वहां पर एक ब्रिज वर्ष 2012 में मंजूर किया था और 16 करोड़ की लागत का यह ब्रिज है। तकरीबन 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। लगभग 50000 से ज्यादा लोग रोज उस पर ट्रैवल करते हैं। किसी ने आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट को एक पत्र लिखा और दिसम्बर 2015 से यह काम बंद पड़ा हुआ है। आर्कियोलॉजी विभाग का 1956 में वहां पर दो मूर्तियां मिली थीं, इसलिए उसे आर्कियोलॉजी साइट घोÂि◌ात किया था। 1956 से अब तक वहां पर कोई आर्कियोलॉजी का काम नहीं हुआ है। वहां के लिए कोई बजट आबंटित नहीं किया गया है। मैंने मंत्री जी से भी इस बारे में मीटिंग की थी। वहां पर चीफ डायरेक्टर, आर्कियोलॉजी विभाग के आए थे, उन्होंने आश्वस्त किया था कि एक महीने में यह काम पूरा हो जाएगा। तकरीबन 6 महीने हो चुके हैं, अगर तुरंत इस काम को शुरु नहीं किया गया तो कोई बड़ी दुर्घटना इसमें घट सकती है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि जल्दी से जल्दी इस काम को शुरु किया जाए। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Dhananjay Mahadik.